सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹ 02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, बुधवार, 21 मई, 2025
वर्षः 02, अंकः 143, पृष्ठः 8+4

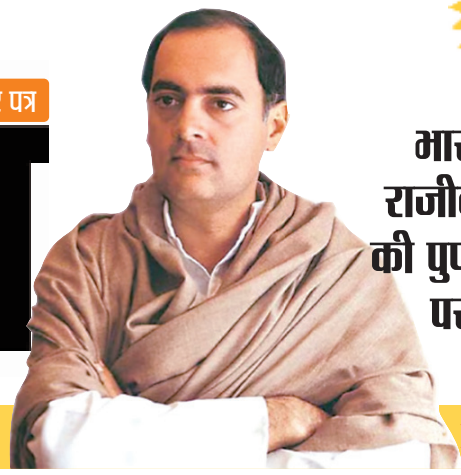

भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथी पर विशेष लेख

» Pg 6

इनसाइड ढाई साल की बेटी से मिटवाई प्रेमी की हवस..! » Pg12

पाकिस्तान सेना अध्यक्ष मुनीर का प्रमोशन, बनाया गया फील्ड मॉर्शल

तख्ता पलट की ओर इशारा, अयूब खान के बाद क्या जनरल मुनीर भी चल पड़े उसी रास्ते पर

» नई दिल्ली, स्वराज इंडिया ब्यूरो

ऑपरेशन सिंदूर में भारत से हार के बावजूद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल का तमगा मिला। उनकी इस्लामिक कट्टरता और कुरान के हवाले देने की आदत पहले से चर्चा में थी।

पाकिस्तान की सेना में एक बार फिर हलचल मची है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत से करारी शिकस्त खाने के बावजूद पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल सैयद आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल का तमगा दे दिया गया। ये वही आसिम मुनीर हैं,जिनकी इस्लामिक कट्टरता और कुरान के हवाले देने की आदत ने उन्हें पहले से ही चर्चा में रखा है, लेकिन सवाल ये है कि हार के बाद भी ये प्रमोशन क्यों? और आर्मी चीफऔर फील्ड मार्शल में आखिर फर्क क्या है?

आर्मी चीफ और फील्ड मार्शल में अंतर क्या है? : आर्मी चीफ ये पाकिस्तान की सेना का सबसे बड़ा बॉस होता है,जिसे चार-सितारा जनरल कहते हैं। ये सेना की कमान संभालता है। जंग की रणनीति बनाता है और सुरक्षा से जुड़े फैसले लेता है।ये पद आमतौर पर तीन साल के लिए होता है और सरकार-प्रधानमंत्री मिलकर इसकी नियुक्ति करते हैं।

फील्ड मार्शल: ये पांच-सितारा रैंक है, जो सेना में सबसे ऊंचा और बेहद खास होता है। ये कोई रोज़ का काम करने वाला पद नहीं। ये आजीवन रहता है और सिर्फ खास मौकों पर दिया जाता है, लेकिन सच कहें तो ये बस एक चमकता हुआ तमगा है, जिसका कोई बड़ा काम नहीं। हालांकि ये बात अलग है कि पाकिस्तान में एक बार 1959 में अयूब खान ने इसी तगमे के लेकर तख्तापलट तक कर दिया था, हो सकता है कि आसिम मुनीर के मन में भी वही ख्वाब पल रहे हों।

ऑपरेशन सिंदूर-पाकिस्तान की शर्मिंदगी : ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाया कि उनकी सैन्य ताकत की पोल खुल गई। खबरों के मुताबिक भारतीय सेना ने रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर सर्जिकल स्ट्राइक की, जिसमें पाकिस्तान के कई आतंकी कैंप और एयर डिफेंस सिस्टम तबाह हो गए। इस दौरान आसिम मुनीर के बंकर में छिपने की खबरें भी आईं, जिसने उनकी साख को और ठेस पहुंचाई। फिर भी, पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने उन्हें 20 मई 2025 को फील्ड मार्शल बना दिया। ये प्रमोशन तब हुआ,जब ऑपरेशन सिंदूर में हार के बाद पाकिस्तान की सेना और सरकार की किरकिरी हो रही थी। कुछ लोग इसे हार के बाद भी सेना का मनोबल बढ़ाने की कोशिश मानते हैं, तो कुछ इसे सियासी खेल कह रहे हैं।

अयूब खान : खुद को घोषित कर दिया फील्ड मार्शल

1958 से 1969 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे जनरल अयूब खान ने 1959 में खुद को फील्ड घोषित कर लिया था. ये कदम तब विवादास्पद रहा, क्योंकि इसे उनका प्रचार माना गया. उस वक्त वह सैन्य शासक थे और 1965 के भारत-पाक युद्ध में उनकी रणनीति की खूब चर्चा हुई, लेकिन उनकी नीतियों ने देश में अस्थिरता भी पैदा की।

आसिम मुनीर : हार के बाद भी ताज!

20 मई 2025 को शहबाज शरीफ सरकार ने आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया। ये दूसरा मौका है,जब पाकिस्तान में किसी को ये रैंक दी गई। ऑपरेशन सिंदूर में भारत से मिली शिकस्त के बाद ये प्रमोशन हास्यास्पद लगता है। लेकिन इस प्रमोशन ने सवाल खड़े किए हैं. कुछ का मानना है कि यह मार्शल लॉ की ओर बढ़ता कदम है।

उपराष्ट्रपति हुए मुरीद

आतंकवादियों ने खुद पूरी दुनिया को सबूत दिया

नई दिल्ली, स्वराज इंडिया ब्यूरो। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने खुद ही दुनिया को इसका सबूत दे दिया। इस ऑपरेशन में भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। 22 अप्रैल को पहलगाम में 25 हिंदू पर्यटक समेत 26 लोगों की हत्या के जवाब में यह ऑपरेशन किया गया था। इसमें भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। 7 मई को हुए इस हमले में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के ठिकाने तबाह कर दिए गए। इस कार्रवाई में कम से कम 100 आतंकी ढेर हुए।

उपराष्ट्रपति ने कहा है कि भारत की इस कार्रवाई के बाद किसी ने सबूत नहीं मांगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने बिहार से कहा था कि आतंकवाद को अब बख्शा नहीं जाएगा। एक कार्यक्रम के दौरान धनखड़ ने कहा कि आतंकवादियों ने खुद ही 'ऑपरेशन सिंदूर' की सच्चाई दुनिया को दिखाई।

भारत के पड़ोस से सीखकर हमास का सफाया करेगा इजरायल

इजरायल ने हमाल की टॉप लीडरशिप को खत्म कर दिया है, नेतन्याहू का 'समूल नाश' वाला प्लान तैयार

» नई दिल्ली, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

तेल अवीव। इजरायल का हमास को खत्म करने का सपना पूरा होने का नाम नहीं ले रहा। हमास के आतंकी हर दिन इजरायल के लिए नई चुनौतियां पेश कर रहे हैं। हालांकि, इजरायल ने हमाल की टॉप लीडरशिप को खत्म कर दिया है, जिसमें इस्माइल हानिया से लेकर याह्या सिनवार तक शामिल हैं। इसके बावजूद इजरायल अपने बंधकों को गाजा पट्टी जैसी छोटी सी जगह में ढूंढ नहीं पाया है। लेकिन, इजरायल अब दुनियाभर के देशों में आतंकियों के समूल नाश वाले इतिहास से सबक लेकर हमास के खिलाफ नई तैयारी कर रहा है। इसमें भारत का एक पड़ोसी देश भी शामिल है, जिसने अपने देश में दुनिया के सबसे खूंखार आतंकवादी संगठन को नेस्तनाबूद कर दिया था।

पड़ रहे अंतरराष्ट्रीय दबाव

इस बीच, भारत में भी तेजी से आंकड़े बढ़ रहे हैं। 12 मई से अब तक कोरोना के 164 नए मामले सामने आने के साथ ही कुल 257 सक्रिय कोविड मामले हो गए हैं। जिनमें केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु सबसे आगे हैं। इस मामले पर अब स्वास्थ्य मंत्रालय का भी जवाब आया है।

क्या हमास का समूल नाश कर सकता है इजरायल?: द जरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना के रिटायर्ड कर्नल डॉ मोशे एलाद ने बुधवार को मारिव से आतंकवादी संगठनों को सफलतापूर्वक खत्म करने की संभावनाओं के बारे में बात की। वह मध्य पूर्व के विशेषज्ञ हैं और दक्षिण लेबनान सुरक्षा क्षेत्र में टायर और बिंट जेबिल जिलों के पूवज़ सुरक्षा समन्वयक हैं। एलाद ने यह पता लगाने के लिए अंतरराष्ट्रीय केस स्टडी का सहारा लिया कि क्या ऐसा लक्ष्य वास्तव में प्राप्त किया जा सकता है - और एक ऐसे मामले की ओर इशारा किया जिस पर पश्चिम में बहुत कम लोग चचाज़ करने में सहज हैं।

आतंकवादियों के खात्मे पर दुनिया को शक क्यों है? : एलाद के अनुसार, आज भी इस बारे में वैश्विक बहस जारी है कि क्या आतंकवादी संगठनों को पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है। क्या उन पर पूर्ण विजय कभी संभव है।

12वीं के बाद कैसे बनाएं करियर

» असमंजस और भ्रम जाल में उलझे तमाम युवा

बच्चे को मोटिवेट करें, उसकी रुचि के हिसाब से करने दें पढ़ाई

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। 12वीं के बाद अक्सर छात्र करियर विकल्प को लेकर असमंजस में रहते हैं। कई बार छात्रों को सही गाइडेंस नहीं मिल पाता और वह गलत दिशा की ओर भटक जाते हैं। क्या करें क्या ना करें अब कैसी मुश्किल हाय ! का हम इस खबर में निवारण करने वाले हैं। सर्वप्रथम आप अपने बच्चे के साथ बैठिए और आप अपने जीवन का अनुभव शेयर कीजिए।आपकी जानकारी में जो भी हो सभी सेक्टर के बारे में विस्तार से बात करिए फिर कुछ दिन उसे सोंचने का मौका दें।दूसरी बैठक में उसकी रुचि को जानने का प्रयास करें। यथा संभव उसकी रुचि के अनुसार उसे कैरियर चुनने की स्वतंत्रता दें। प्रत्येक वर्ष दसवीं या बारहवीं का परिणाम आता है जोकि लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के सिर पर हथौड़े की तरह गिरता है। परीक्षा तो बीत जाती है लेकिन परीक्षा के बाद जो असमंजस और सामाजिक दबाव शुरू होता है वह कहीं अधिक घातक होता है। यह महज एक विकल्प चुनने का मामला नहीं होता बल्कि एक व्यक्ति के जीवन की दिशा तय करने का संकट होता है।

(स्वराज इंडिया सामाजिक सरोकार)

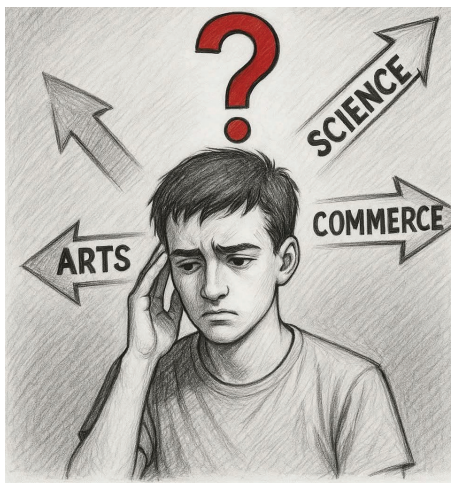

कैरियर के इस मोड़ पर भारतीय समाज की विडंबनाएं और हमारी शैक्षिक प्रणाली की असमर्थता खुलकर सामने आ जाती है। हर साल करोड़ों छात्र दसवीं-बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद एक ऐसे चौराहे पर खड़े होते हैं जहाँ दिशा नहीं, केवल दबाव होता है। भारत में दसवीं और बारहवीं कक्षा एक ऐसी सीमा रेखा बन गई है जहां पहुंचते ही छात्र और अभिभावक दोनों भय, भ्रम और सामाजिक प्रतिस्पर्धा के भंवर में फँस जाते हैं।

एक ओर मार्कशीट है दूसरी ओर रिश्तेदारों की राय। एक तरफ मन की चाहत है तो दूसरी तरफ समाज की अपेक्षाएं। सवाल यह नहीं है कि कौन-सा विषय चुना जाए, सवाल यह है कि क्या हमने बच्चों को स्वयं सोचने, समझने और निर्णय लेने का अवसर दिया है। विडंबना यह है कि कैरियर की दिशा तय करने वाला यह क्षण सबसे अधिक भीड़-प्रेरित होता है।

बेटा इंजीनियरिंग कर ले, बहुत स्कोप है, बायो ले लो डॉक्टर बन जाओगे, कॉमर्स ले लो सीए का अच्छा भविष्य है ऐसी बातें हर घर में गूंजती हैं लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि बच्चा क्या करना चाहता है उसका रुझान, रुचि, स्वभाव और क्षमता क्या है? हमारे देश में काउंसलिंग को अभी भी एक मजाक की तरह देखा जाता है। स्कूलों में करियर गाइडेंस की बातें होती जरूर हैं पर उनका जमीनी असर न के बराबर है। अधिकतर माता-पिता खुद उस दौर से नहीं गुजरे हैं जहाँ उन्हें विकल्प चुनने का अधिकार मिला हो, और वही परंपरा अब वे अगली पीढ़ी पर लाद देते हैं। आज भी कई गांवों और छोटे शहरों में 'मेडिकल-इंजीनियरिंग' के अलावा कैरियर की कोई परिभाषा नहीं है। आर्ट्स लेना तो जैसे फेल हो जाने का प्रमाणपत्र बन गया है।

यह मानसिकता न केवल छात्रों के स्वाभाविक विकास को रोकती है बल्कि समाज को एकरूपता की घातक पटरी पर ले जाती है जहाँ हर कोई एक जैसे सपने देख रहा है, एक जैसे रास्ते चल रहा है और अंत में एक जैसे अवसाद से ग्रस्त हो रहा है।एक और दु-खद पक्ष यह है कि कैरियर की दिशा तय करते समय आज भी आर्थिक स्थिति, जातीय पूर्वाग्रह और लिंग आधारित सोच गहराई से हस्तक्षेप करती है।

लड़की है ज्यादा पढ़ा-लिखा कर क्या करना है या फिर यह कि सरकारी नौकरी ही असली नौकरी है ऐसी सोच हमें कैरियर की विविधता को समझने और अपनाने से रोकती है। मीडिया और सोशल मीडिया ने भी भ्रम की एक नई परत जोड़ रखी है।

हर हफ्ते एक नई 'हाई डिमांड' फील्ड आती है, एक नई 'ट्रेंडिंग स्किल' बताई जाती है, और हर कोई उसी में भागने लगता है। बिना यह सोचे कि वह क्षेत्र उसके लिए उपयुक्त है भी या नहीं। असल जरूरत इस बात की है कि हम बच्चों को यह सिखाएं कि असली कैरियर वही है जो उनके स्वभाव, जुनून और जीवन के मूल्यों के अनुरूप हो। यह भी जरूरी है कि अभिभावक और शिक्षक विकल्पों की विविधता को स्वीकारें और छात्रों को उनका मार्ग खुद तय करने का अवसर दें।

जब तक यह मानसिकता नहीं बदलेगी तब तक हर साल लाखों बच्चे इस 'कैरियर की क्रॉसरोड' पर खड़े रहेंगे अनिर्णय, दबाव और पछतावे के बीच।

हर छात्र एक अनोखा ब्रह्मांड है उस पर सामाजिक अपेक्षाओं और रूढ़ मानसिकताओं का ग्रहण न लगाएँ। दसवीं और बारहवीं के बाद सही दिशा चुनने के लिए आत्मचिंतन, मार्गदर्शन और स्वतंत्रता की जरूरत है।

डर, भीड़ और दबाव की नहीं। यदि हम सच में अगली पीढ़ी को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर सफलता की परिभाषा अलग होती है और कैरियर कोई मंजिल नहीं बल्कि वह रास्ता है जो अगर अपने मन से चुना जाए तो जीवन को सफल बना सकता है।

एग्रीमेंट के बहाने बैनामा कराने का मामला

अधिवक्ता दीनू समेत चार पर रिपोर्ट, पुलिस ने शुरू की जांच

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में पिंटू सेंगर हत्याकांड के साढ़े चार साल बाद जेल गए अधिवक्ता दीनू उपाध्याय की मुसीबतें कम होने के नाम नहीं ले रही हैं। बिधून निवासी किसान ने दीनू उपाध्याय व उसके साथियों पर करोड़ों रुपये कीमत की जमीन का एग्रीमेंट कराने के बहाने बैनामा कराने और धमकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिधनू के गढ़ेवा मझावन निवासी किसान देशराज यादव के मुताबिक उसकी रोड के किनारे छह बीघे जमीन है। बेटी की शादी में रुपयों की जरूरत पड़ने पर उसने व तीन भाइयों रामनारायण यादव ,हाकिम यादव व चरण सिंह यादव ने जमीन बेचने के लिए परिवार के मुकेश और पुनीत से बात की। दोनों ने उन्हें किदवईनगर निवासी नारायण सिंह भदौरिया से मिलवाया।

जालसाजों ने दस्तावेज करवा लिए हस्ताक्षर

10 जनवरी 2022 को नारायण व उसके साथी देशराज को दीनू के चैंबर ले गए। आरोप है कि वहां आरोपियों ने एग्रीमेंट के बहाने धोखाधड़ी कर सीधे जमीन का बैनामा करा लिया। यही नहीं, जालसाजों ने जमीन के दस्तावेज बिना पढ़ाए और सुनाए हस्ताक्षर करवा लिए। जानकारी के बाद जब इसकी शिकायत लेकर वह दीनू के चैंबर पहुंचे थे।

रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू

वहां पहले से मौजूद दीनू, नारायण सिंह व अन्य ने गालीगलौज कर धमकी दी। थाने में सुनवाई न होने पर डीसीपी साउथ से गुहार लगाई थी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि किसान की तहरीर पर अधिवक्ता दीनू, नारायण भदौरिया, पारिवारिक मुकेश व पुनीत समेत अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

40 लाख रुपये बीघा में तय हुआ था सौदा

पीड़ित ने बताया कि 40 लाख रुपये प्रति बीघा में सौदा तय हुआ था। आरोप है कि जालसाजों ने पूरी जमीन का 25.50 लाख रुपये में एग्रीमेंट करने के लिए बुलाया। बाकी रुपये रजिस्ट्री के बाद देने का आश्वासन दिया लेकिन इतनी ही रकम में सारी जमीन का बैनामा करा लिया। यही नहीं, एग्रीमेंट में जो 9.50 लाख रुपये का चेक दिखाया, वह भी नहीं दिया।

डीजल तस्करी पर बोले एसीपी, जल्द होगा एक्शन

पुलिस सिंबल लगी गाड़ी और टिकरा चौकी पर उठे सवालों पर अब प्रशासन हरकत में दिख रहा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गोगोमऊ गांव से शुरू होकर टिकरा पुलिस चौकी तक फैले डीजल तस्करी के नेटवर्क पर अब पुलिस महकमा हरकत में आता दिख रहा है। स्वराज इंडिया द्वारा उजागर हुई खबर के बाद कल्याणपुर एसीपी ने मामले को संज्ञान में लेने की पुष्टि की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जल्द ही मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं डीजल चोरी की खबर का खुलासा होने के बाद माफियाओं में हड़कंप बचा हुआ है।

FOLLOW UP

इस पूरे नेटवर्क में जिस बोलेरो वाहन (UP77-P-5269) का प्रयोग हो रहा है, उसके पिछले हिस्से पर पुलिस का लाल और नीला सिंबल लगा था, जिससे यह संदेह और गहरा गया कि माफियाओं को कहीं न कहीं से पुलिसिया संरक्षण प्राप्त हो सकता है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार यह वाहन प्रतिदिन कानपुर देहात के गोगोमऊ से अवैध डीजल से भरे कैनों को लेकर तेज रफ्तार में निकाला जाता है और कानपुर की टिकरा चौकी क्षेत्र में पहुंचाया जाता है।

यह तस्करी रैकेट महेंद्र पाल नामक व्यक्ति और उसके परिवार द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो पूर्व में गजनेर थाना क्षेत्र में पकड़े गए थे। हाल ही में पनकी और सचेंडी थाना क्षेत्र के बीच रेलवे ट्रैक पर तेल चोरी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ था, जिसमें इन्हीं लोगों की भूमिका की पुष्टि हुई थी।

अब जब उच्च अधिकारियों ने मामले की गंभीरता को स्वीकार किया है, तो क्षेत्र में यह उम्मीद की जा रही है कि डीजल तस्करी के इस संगठित नेटवर्क पर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
RNI No: UPHIN/2023/86769 www.swarajindianews.com swarajindia2023@gmail.com swarajindian
स्वराज इंडिया
सांध्यकालीन समाचार पत्र
कानपुर, मंगलवार, 20 मई, 2025
वर्ष: 02, अंक: 142, पृष्ठ: 8+4
इनसाइड आत्महत्या रोकने को आईआईटी में बन रही योजनाएं... Pg03

पुलिस का लोगो लगाकर हो रही कानपुर में डीजल तस्करी

शहर से देहात तक निडरता से हो रही तस्करी | गोगोमऊ से टिकरा तक फैला सिंडिकेट का जाल

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव
» शिवांक अग्निहोत्री, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर देहात के गजनेर थाना क्षेत्र अंतर्गत पामा चौकी क्षेत्र के गोगोमऊ गांव में हिंदुस्तान पेट्रोलियम डिपो के आसपास की जमीनों पर अवैध डीजल कारोबार की जड़ें गहरी हो चुकी हैं। ग्रामीणों द्वारा पार्किंग के लिए दी गई जमीन का उपयोग अब माफियाओं द्वारा डीजल चोरी और तस्करी के लिए किया जा रहा है। इस पूरे अवैध रैकेट को कानपुर के बिठूर थाने के अंतर्गत आने वाले टिकरा पुलिस चौकी क्षेत्र निवासी महेंद्र पाल और उसका बेटा संचालित कर रहा है जिसे पहले [illegible] भाई संचालित करता था। महेंद्र [illegible] नन्हे पाल अब इस दुनिय[illegible] अवैध कारोबार क[illegible] ने संभाल [illegible] कोई [illegible] (यूपी77-पी-526[illegible] तस्करी की जा रही थी, उस[illegible] हिस्से पर लाल और नीले रंग का पुलिसिया सिंबल चिपका हुआ था, जो इस अवैध धंधे को खुलेआम सरकारी संरक्षण का रूप देता है। आम जनता और जांच एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए माफियाओं ने यह चालाकी भरा हथकंडा अपनाया है। यह सिंबल सिर्फ गाड़ी को नहीं, बल्कि इस पूरे रैकेट को स्थानीय पुलिस की छाया में पलने का सबूत बना देता है। क्योंकि डीजल के अवैध कारोबारी का निवास स्थान और तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही गाड़ी बिना किसी डर के सरे आम प्रतिदिन घूमती है जिस कारण टिकरा पुलिस चौकी की भूमिका अब सवालों के घेरे में है, क्योंकि जब अवैध डीजल से लदी खोखली गाड़ियां पुलिस के सिंबल के साथ चौकी क्षेत्र में बेरोकटोक घूम रही हों, तो इसमें विभागीय मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता।

ऐसे में टिकरा पुलिस चौकी पर सीधा सवाल उठता है कि क्या यह चौकी डीजल माफियाओं की ढाल बन चुकी है? यह जांच का विषय है।

बोलेरो में पुलिस का सांकेतिक चिन्ह लगाकर धड़ल्ले से हो रही डीजल तस्करी। बोलेरो के अंदर भरे पड़े अवैध डीजल के कैन।

डीजल तस्कर अमन पाल और अंशू बिना किसी खौफ के करते हैं अवैध डीजल तस्करी।

बिल्हौर में गोमांस के साथ चार गिरफ्तार

» 50 किलो प्रतिबंधित मांस समेत मांस काटने व तौलने का उपकरण बरामद

» मांस का नमूना जाँच के लिए बरेली प्रयोगशाला भेजा गया

» मौके पर पहुँचे विधायक ने कहा चौकी इंचार्ज को सिर्फ चेकिंग के नाम पर पैसा वसूलना है

पुलिस हिरासत में गो तस्कर

मौके पर पहुंचे विधायक

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर। मंगलवार को ककवन पुलिस को खास मुखबिर से सूचना मिली थी कि ककवन थाना क्षेत्र अंतर्गत रहीमपुर बिषधन खेड़ा गांव में कुछ लोग बंद कमरे मे प्रतिबंधित मांस काट रहे हैं। जिसके बाद रणनीति बनाते हुए एसीपी अमरनाथ, ककवन इंस्पेक्टर व बिषधन चौकी इंचार्ज ने गांव में दबिश दी और कमरे में कट रहा प्रतिबंधित मांस पकड़ लिया।

मांस काटने में शामिल समीन, सहनवाज, शाहिल, साबिर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया है। वहीं मांस का नमूना जाँच के लिए बरेली प्रयोगशाला भेजा गया। पुलिस ने 50 किलो से अधिक मांस व गौवंश काटने व तौलने का उपकरण भी बरामद किया है।

पुलिस ने चारों पर पशु क्रूरता समेत अन्य गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। घटना की जानकारी होते ही बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर मौके पर पहुँचे। उन्होंने एसीपी से कहायह विषय आक्रोश का है ये सब घटनाए क्यूँ हो रही हैं। कहा कि चौकी इंचार्ज को सिर्फ चेकिंग के नाम पर पैसा वसूलना है। इस बातचीत का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।वहीं जानकारी में आया है कि उच्च अधिकारियों ने मामले में लापरवाही बरतने पर चौकी इंचार्ज अतुल कुमार को निलंबित कर दिया है।

कानपुर सेंट्रल का विकल्प बनेगा गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन

» यहां आने वाले यात्रियों को मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं

» स्टेशन का लोकार्पण 22 मई 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से करेंगे

» झांसी, बांदा, इटावा रेल लाइनों का लिंक अप है गोविंदपुरी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश में रेलवे स्टेशनों के विकास को लेकर भारतीय रेल द्वारा व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कानपुर के उपनगरीय गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कर उसे अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इस स्टेशन का लोकार्पण 22 मई 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 25.5 करोड़ रुपये की लागत आई है।गोविंदपुरी स्टेशन, जो दक्षिण कानपुर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे चावला मार्केट, किदवई नगर और गोविंद नगर को सेवाएं प्रदान करता है, अब पहले से अधिक सुविधा सम्पन्न हो गया है। यह स्टेशन पूर्व में महिलाओं द्वारा संचालित उत्तर भारत का पहला स्टेशन रह चुका है। स्टेशन की महत्ता को देखते हुए इसके कायाकल्प की दिशा में व्यापक कार्य किए गए हैं।पुनर्विकास के तहत स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त एग्जीक्यूटिव लॉन्ज का निर्माण किया गया है। यात्रियों के लिए एक नया स्वादिष्ट, स्वच्छ और ताजे खाद्य पदार्थों वाला कैफेटेरिया तैयार किया गया है। स्टेशन के चारों ओर का सर्कुलेटिंग एरिया भी बेहतर तरीके से विकसित किया गया है जिससे आवाजाही सरल और सुगम हो सके। आरक्षित और अनारक्षित टिकट काउंटर अब और अधिक सुविधाजनक बनाए गए हैं, जिससे टिकटिंग प्रक्रिया में सहजता आएगी।

प्रतीक्षालय और विश्राम स्थल को आरामदायक बनाया गया है, जहां यात्री शीतल पेयजल और बैठने की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। अपनी यात्रा के दौरान ठहराव के लिए डोरमेट्री एवं रिटायरिंग रूम भी तैयार किए गए हैं, जहां नाममात्र शुल्क पर आराम किया जा सकता है। एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक सुरक्षित आवागमन के लिए नया चौड़ा फुट-ओवर ब्रिज तैयार किया गया है।

बड़ा पार्किंग एरिया और अन्य सुविधाएं

स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों के वाहनों की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग क्षेत्र का भी विस्तार किया गया है। यात्रियों की सुगमता को देखते हुए स्टेशन कॉरिडोर को भी व्यवस्थित किया गया है। दिव्यांगजनों के लिए रैंप, टेक्सटाइल पाथ और शौचालय जैसी विशेष सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

साथ ही स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार को आकर्षक और स्वागत योग्य स्वरूप दिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से स्टेशन परिसर में CCTV कैमरे, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और बैंक की सुविधा भी सुनिश्चित की गई है।इस नवविकसित स्टेशन से यात्रियों को एक सुरक्षित, सुविधाजनक और विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। रेलवे प्रशासन का यह प्रयास यात्रियों की संतुष्टि और सुविधा की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

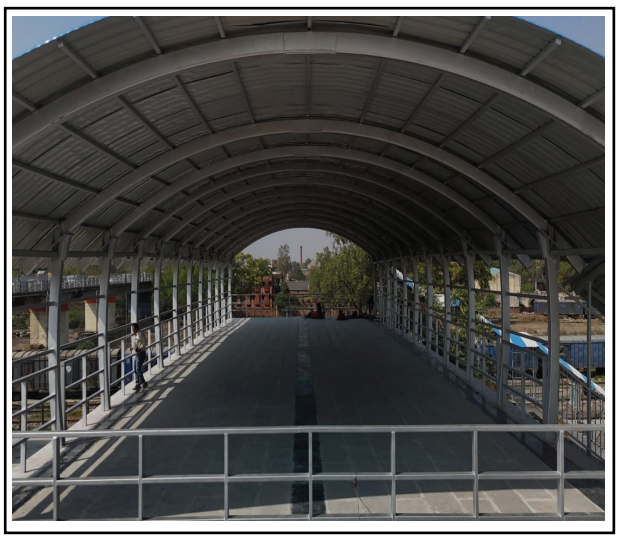

सरकारी हैंडपंप के विवाद में जमकर मारपीट, कई घायल

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर । नगर के नरवल थाना क्षेत्र अंतर्गत नाली विवाद के चलते भीषण मारपीट की घटना सामने आई है। पीड़ित उमेश कुमार ने प्राथमिकी दर्ज करवाने के बाद मीडिया को बताया कि 16 मई 2025 को शाम 7 बजे के करीब राजबहादुर, विजय बहादुर, राम बहादुर एवं प्रियंक उर्फ मोहित ने सरकारी हैंडपंप पर मोटर लगा ली जिसके विरोध पर इन लोगों विवाद शुरू कर दिया ।विवाद के दौरान उसके साथी हमलावरों ने उमेश कुमार उनके पिता और परिवारजनों को बेरहमी से पीटा, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं और खून बहने लगा। विवाद के दौरान ही सभी आरोपियों ने पीड़ित के घर में घुसकर तोड़फोड़ भी की और महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार किया।पीड़ित ने मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर ली गई है। घटना के संबंध में बीएनएस की धारा 109(1), 115(2), 117(2), 333, 352, व 351 (3) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सम्पादकीय

प्रोफेसर की गिरफ्तारी अकादमिक आजादी पर आंच

किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि वहां सभी तरह की वैचारिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाए। बशर्ते अभिव्यक्ति समाज में विभाजन की कारक और राष्ट्र के हितों के विरुद्ध न हो। हरियाणा में अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की सोशल मीडिया पोस्ट पर उठे विवाद के बाद की गई गिरफ्तारी ने कई सवालों को जन्म दिया है। दरअसल, प्रोफेसर अली खान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के कुछ पहलुओं को लेकर सवाल उठाए थे। यह घटनाक्रम हमें याद दिलाता है कि देश में असहमति के विचारों को कैसे देश के विरुद्ध दर्शाया जा रहा है। हरियाणा पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में दलील दी है कि प्रोफेसर की टिप्पणी भारत की एकता को खतरे में डालने वाली है। निस्संदेह, यह घटना विचार और स्वतंत्र अभिव्यक्ति को संदिग्ध रूप में दर्शाने का उपक्रम नजर आता है। यह स्पष्ट है कि प्रोफेसर महमूदाबाद की आवाज कोई सतही टिप्पणी नहीं है। वे एक सम्मानित अकादमिक और सार्वजनिक विमर्श में सक्रिय रहने वाले बुद्धिजीवी हैं। जिन्हें भारत के सामाजिक और राजनीतिक ताने-बाने के साथ विचारशील जुड़ाव के लिये जाना जाता है। उनकी टिप्पणी भले ही कितनी भी आलोचनात्मक क्यों न हो, उसे राष्ट्रीय एकता के लिये खतरे के रूप में चित्रित करना एक अतिशयोक्ति ही कही जाएगी। निश्चित रूप से इस मामले में पुलिस की कार्रवाई एक ऐसी अस्वीकार्य मिसाल है, जो कालांतर लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण ही करती है। प्राचीन काल से ही हमारे विश्वविद्यालय रचनात्मक बहस के लिये उपयुक्त स्थान के रूप में जाने जाते रहे हैं। जहां राज्य की निगरानी के जरिये हस्तक्षेप की गुंजाइश नहीं होती थी। सवाल इस घटनाक्रम के समय व संदर्भ को लेकर भी उठाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' एक ऐसा सैन्य अभियान था, जिसे व्यापक सार्वजनिक जनसमर्थन और मीडिया कवरेज मिली। सही मायने में एक परिपक्व लोकतंत्र में किसी भी आलोचना को सहज भाव से लिया जाना चाहिए।निस्संदेह, स्वतंत्र वैचारिक अभिव्यक्ति पर सवाल खड़े करना और उसे दंडात्मक कार्रवाई के जरिये दबाने का प्रयास अस्वीकार्य ही है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अकादमिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी किसी सत्ताधारी व्यवस्था की मर्जी से दिए गए विशेषाधिकार नहीं है, ये संवैधानिक गारंटी हैं। यह सुखद ही है कि देश की सर्वोच्च अदालत ने प्रोफेसर महमूदाबाद की याचिका पर सुनवाई करने के लिये सहमति दे दी है। जो इस मामले में एक उम्मीद की किरण कही जा सकती है। लेकिन सार्वजनिक जीवन में अपमान के बाद राहत के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जूझना व्यक्ति के लिये कष्टदायक ही है। यह सही समय है कि हमारी संस्थाएं देशभक्ति को अंध आज्ञाकारिता के रूप में परिभाषित न करें। सही मायनों में सच्ची देशभक्ति सवाल करने, विचार करने और यहां तक कि असहमति जताने की क्षमता में निहित है। जिसको लेकर सलाखों के पीछे डालने का भय नहीं होना चाहिए। सही मायनों में एक ट्वीट पर एक प्रोफेसर की गिरफ्तारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा नहीं करती बल्कि यह केवल राष्ट्रीय असुरक्षा को ही उजागर करती है। यही वजह है कि देश की कई चर्चित हस्तियों व राजनेताओं ने प्रोफेसर अली के समर्थन में आवाज उठाई है। उन्होंने उन आक्षेपों को खारिज किया है जिनमें उनकी पोस्ट को महिला विरोधी और धार्मिक द्वेष फैलाने वाला बताया गया। उन्होंने सवाल उठाये हैं कि उनकी टिप्पणी कैसे देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिये चुनौती है।

साइबर कवच की कमियां दूर करने की दरकार

दिनेश सी शर्मा

देश के नागरिकों के अलावा रणनीतिक संचार प्रणालियों की सुरक्षा अहम है। भारत-पाक टकराव के दौरान साइबर सुरक्षा एजेंसी ने रैनसमवेयर हमलों, रक्षा संस्थाओं की वेबसाइटें हैक करने व डेटा में सेंध लगाने के रूप में साइबर हमले विफल किये।पिछले दिनों जब भारत-पाकिस्तान टकराव के दौरान देश के रणनीतिक महत्व के ठिकानों को निशाना बनाकर दागी गई मिसाइलों और ड्रोनों को मार गिराया जा रहा था तो ठीक उसी वक्त दुश्मन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र में चल रहे इस संग्राम के अलावा भी एक महत्वपूर्ण परिचालन को बाधित करने के प्रयास किए जा रहे थे। देश की साइबर सुरक्षा एजेंसी, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-आईएन) ने रैनसमवेयर हमलों, डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) घटनाओं के अतिरिक्त कुछ रक्षा संस्थाओं की वेबसाइटों को बिगाड़ने, डेटा में सेंध लगाने और मैलवेयर इन्फेक्शन के रूप में साइबर हमलों में अत्यधिक वृद्धि की पहचान की व उसे विफल किया।

ऐसे हमलों को सिस्टम और सेवाओं की इंटेग्रिटी, गोपनीयता और उपलब्धता के लिए बड़ा जोखिम माना जाता है। एजेंसी ने उच्च खतरे की रेटिंग वाले साइबर हमलों को लेकर चेतावनी जारी की थी। इसके आधार पर, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और अन्य वित्तीय एजेंसियों ने अपने सदस्यों और बाजार प्रतिभागियों को सतर्क किया। उन्हें साइबर सुरक्षा तंत्र की समीक्षा करने और महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के कदम उठाने के लिए आवश्यक उपाय करने की सलाह दी गई। बैंकिंग, शेयर बाजार, वित्तीय सेवाएं, लाभ हस्तांतरण और ई-शिक्षा जैसी डिजिटल सेवाओं की सुरक्षा इस 'रीढ़' यानी दूरसंचार और इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर के सुरक्षित रहने पर निर्भर है। यह आगे हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्क सुरक्षित रहने पर आधारित है। इस 'रीढ़' में किसी भी स्तर पर सेंध संभावित रूप से करोड़ों लोगों को प्रभावित कर सकती है, क्योंकि लगभग 115 करोड़ भारतीय दूरसंचार नेटवर्क और उन पर आधारित सेवाएं उपयोग करते हैं। सुरक्षा में सेंध का जोखिम न्यूनतम रखने का मतलब है हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का हरेक अंग निरापद बनाना- दूरसंचार नेटवर्क और क्लाउड सर्वर से लेकर मोबाइल फोन और सुरक्षा कैमरे तक को। हाल के वर्षों में, स्विच, राउटर, रिपीटर और गेटवे जैसे महत्वपूर्ण दूरसंचार नेटवर्क उपकरणों का आयात, या तो सीधे ज़ेडटीई और हुआवे जैसी चीनी कंपनियों से या उनकी घटक कंपनियों से किया गया, जो भारत सहित कई देशों में चिंता का विषय है। ऐसे हार्डवेयर ऑनबोर्ड सॉफ़्टवेयर में, फ़ैक्टरी सेटिंग्स और डिफ़ॉल्ट पासवर्ड में पहले से ही संलग्न रहते हैं जिनसे गंभीर सुरक्षा जोखिम हो सकता है। इस खतरे को भांपते हुए, जो बाइडेन प्रशासन ने दूरसंचार नेटवर्क से चीनी उपकरणों को 'चिह्नित करने और बदलने' के लिए 2021 में 'रिप-एंड-रिप्लेस' पहल शुरू की थी। कुछ यूरोपीय संघ के सदस्य देशों ने भी अपने 5-जी नेटवर्क में चीनी कंपनियों की भागीदारी सीमित करने या हटाने के कदम उठाए। भारत में भी विशेषज्ञों ने ऐसी ही पहलकदमी का सुझाव दिया, क्योंकि चीनी उपकरणों पर सरकारी प्रतिबंधों के बावजूद, कई आपूर्तिकर्ता चीनी कंपनियों से दूरसंचार उपकरण खरीदना जारी रखे हैं। पिछले साल वॉयस ऑफ इंडियन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एंटरप्राइजेज नामक उद्योग संगठन द्वारा किए गए अध्ययन में चेतावनी दी गई कि सुरक्षा क्षेत्र में संवेदनशील उत्पादों सहित चीनी मूल के कई उत्पादों को सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों की खरीद में शामिल करने की अनुमति दी हुई थी। निर्देश हैं कि सरकारी एजेंसियों को अपनी आवश्यकता की पूर्ति गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल से करनी चाहिए। किंतु कई व्यापारी चीन से उपकरण खरीदकर, इन्हें वाया सिंगापुर या थाईलैंड भारत लाकर बेचते हैं, व इनमें मामूली हेरफेर कर, 'मेड इन इंडिया' का ठप्पा लगाकर जीईएम पर बेचने के लिए सूचीबद्ध करते हैं। रक्षा इकाइयों सहित सरकारी एजेंसियां, जीईएम पोर्टल से ऐसे ड्रोन खरीद रही थीं, जिनमें कुछ चीनी मूल के थे। सीईआरटी-आईएन द्वारा किए एक विश्लेषण के अनुसार, मानव रहित विमान प्रणाली या ड्रोनों के हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, संचार प्रणाली और परिचालन प्रक्रियाओं के अंदर जटिल अंत:क्रियाएं शामिल होती हैं।

कोरोना की दस्तक पर सजगता जरूरी

कोविड का नया वैरिएंट

ऋतुपर्ण दवे

देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें। जरा सा संदेह होने पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न बरतें। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं।

देश-दुनिया पर कोरोना का संकट एक बार फिर मंडरा रहा है। वैसे देश में प्रभावितों की संख्या मामूली है। 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। अभी बीते सप्ताह के ताजे आंकड़ों के अनुसार संख्या कम जरूर है लेकिन सच्चाई भी है कि मामले या तो समझ नहीं आ रहे या दर्ज नहीं हो रहे हैं।बीते सप्ताह केरल में 69, महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले दर्ज हुए। लेकिन शेष एशिया में जिस तरह से कोविड के मामले दर्ज हो रहे हैं, वे चिंता बढ़ाते दिख रहे हैं।

हांगकांग और सिंगापुर में यह तेजी से फैल रहा है। अभी नया वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है। यह पहली बार अगस्त, 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर, 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमिक्रॉन बीए 2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एलएफ7 और एनबी1.8 की संख्या ज्यादा थी।

कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में ज्यादा असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़े हैं। अकेले सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,200 से ज्यादा नए मामले आए। इन जगहों पर भी जेएन1 और उसके उप-वैरिएंट ज्यादा मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों में बढ़ते मामलों का कारण वहां लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी

है। भारत में भी ऐसी संभावना से इंकार नहीं है। तमिलनाडु, केरल और महाराष्ट्र में धीरे ही सही, इसका बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है।बीते 18 मई को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना संक्रमित हुए तो दूसरे ही दिन बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर भी शिकार हो गईं। इतना तो समझ आ गया है कि सिंगापुर अब नया हॉटस्पॉट बनकर उभर रहा है। सप्ताहभर में ही संक्रमण के मामलों में 28 फीसदी की वृद्धि चिंताजनक है। चीन से छन-छनकर जो निकल रहा है वहां भी बीते एक महीने में कोरोना मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन चीन से जितने वैरिएंट सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वे हैं जो कोमोरबिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोरबिडिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वाले बुजुर्गों, कोमोरबिडिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है।मुंबई के एक अस्पताल में दो मरीजों की मौत के बाद भ्रम की स्थिति बनी है। अस्पताल ने इन्हें गंभीर बीमारियों से हुई मौत बताया जिसका कोविड-19 से कोई संबंध नहीं था। अस्पताल का कहना है कि मौतें कोविड-19 से नहीं, बल्कि हाइपोकैल्सीमिक दौरे और कैंसर के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारियों के कारण हुई हैं। लेकिन चर्चा है कि दोनों मृतकों में कोविड के लक्षण थे। हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का बयान चिंताजनक है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि चीन में श्वास संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है।

(भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर विशेष)

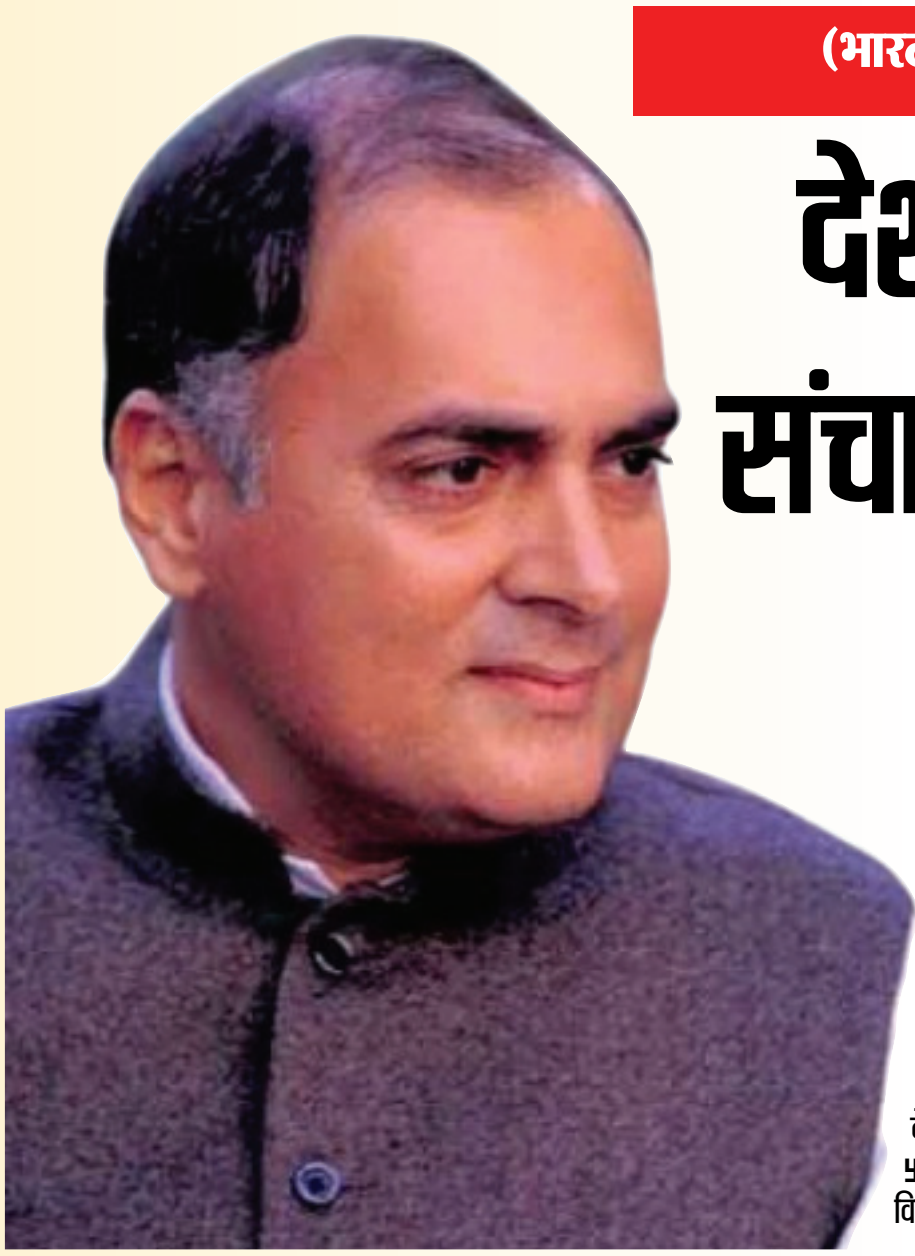

देश में कंप्यूटर और संचार क्रांति के संवाहक थे राजीव गांधी

5 साल के कार्यकाल में देश को नई दिशा दी थी

राजीव गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में 5 वर्ष का समय मिला । सत्ता में रहते हुए और विशेष रूप से सत्ता से बाहर होने के बाद उन्होंने राजनीति के बहुत से पाठ पड़े होंगे। देश का दुर्भाग्य है कि वर्ष 1991 में लिट्टे उग्रवादियों द्वारा उनकी हत्या कर दी गई और देश दोबारा उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में नहीं देख पाया। क्या पता वर्ष 1991 में यदि वो दोबाराप्रधानमंत्री बनते तो देश की आज की तस्वीर और भी अधिक सुनहरी होती। देश सदैव उन्हें आधुनिक भारत और 21वीं सदी के सशक्त भारत के शिल्पकार के रूप में स्मरण रखेगा।जैसा कि उनसे जब बीबीसी के एक पत्रकार ने पूछा था वह किस रूप में याद किया जाना पसंद करेंगे तो उनका जवाब था ५एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो भारत को 21वीं सदी में लेकर गया और जिसने उसके माथे से विकासशील देश का लेवल हटा दिया।

निर्मल तिवारी / स्वराज इंडिया

लखनऊ। आज 21 मई है। आज ही के दिन वर्ष 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की लिट्टे उग्रवादियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। राजीव गांधी का नाम आते ही जेहन में सबसे पहले आता है इंदिरा गांधी के बड़े बेटे, जो एक्सीडेंटली राजनीति में आ गए। फिर जेहन में आता है देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री फिर जेहन में आता है देश में कंप्यूटर और संचार क्रांति के संवाहक, देश में वर्तमान पंचायती राज व्यवस्था के सूत्रधार और 21वीं सदी के सशक्त भारत की परिकल्पना को मूर्त स्वरूप देने वाले योजनाकार, शिल्पकार ।बरबस ही जेहन में आ जाता है अमेरिका के पहले राजकीय दौरे पर उनके द्वारा अमेरिकी संयुक्त कांग्रेस में दिए गए उद्बोधन का वह हिस्सा जिसमें वह कहते हैं -भारत एक प्राचीन देश है लेकिन युवा राष्ट्र है और हर युवा की तरह इसमें अधीरता है मैं भी युवा हूं मुझ में भी धीरज की कमी है।

निःसंदेह जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने तो युवा थे। आलोचक यह भी कहते हैं कि उनमें न केवल धीरज की कमी थी बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की भी कमी थी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तो श्रीलंका में शांति सेना भेजने का समझौता भी हो सकता है। तत्कालीन समय में भारत और भारतवासियों का श्रीलंका के लिए एजेंडा मात्र इतना था कि वहां रह रहे तमिलों का शोषण ना हो, उत्पीड़न ना हो। हम तमिलों के हितों की रक्षा करना चाहते थे। यही हमारा उद्देश्य था। लेकिन राजीव गांधी के इस फैसले से स्थिति बिलकुल उलट हो गई और यही स्थितियां आगे चलकर राजीव गांधी की मृत्यु का कारण भी बनी। राजीव गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता का एक कारण यह भी था कि राजनीति में आना उनका व्यक्तिगत रुझान नहीं था बल्कि छोटे भाई संजय गांधी की मृत्यु के बाद उत्पन्न हुई परिस्थितियाँ उन्हें राजनीति में खींच लाईं। कहा जा सकता है वह प्रधानमंत्री बनने के लिए भी मानसिक रूप से तैयार नहीं थे लेकिन इंदिरा गांधी

किसी भी व्यक्ति के लिए उच्चतम पद पर बैठे व्यक्ति की आलोचना करना आसान होता है लेकिन राजीव गांधी ने कम राजनीतिक काल में बड़ा दम दिखाया था

की मृत्यु के बाद उपजी राजनीतिक शून्यता को भरने के लिए वह प्रधानमंत्री बनने को तैयार हो गए। धीरे-धीरे इस जटिल और दुरूह मार्ग पर चलने के अभ्यस्त होते गए। किसी भी व्यक्ति के लिए उच्चतम पद पर बैठे व्यक्ति की आलोचना करना आसान होता है। लेकिन वर्ष 1984 की विषम परिस्थितियों में घिरे भारत का नेतृत्व करना बहुत ही दुरूह कार्य था। पंजाब में फैले आतंकवाद ने देश की एकता के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद जहां एक ओर पंजाब में आतंकवाद मजबूत नजर आ रहा था वहीं दूसरी ओर इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देशभर में फैली हिंसा और सिख समुदाय के प्रति नफरत की आंधी ने देश की आंतरिक परिस्थितियों को भी जटिलतम बना दिया था। ऐसी परिस्थितियों में पूरे देश की निगाह राजीव गांधी पर थी। देश आशा भरी दृष्टि से राजीव गांधी की ओर देख रहा था। 84 के चुनाव में देश में आया परिणाम न भूतों ना भविष्यति वाला था। देश का एक तरफा समर्थन राजीव गांधी को मिला था। अपने कार्यकाल में उन्होंने बहुत से प्रगतिशील कार्य किए ।

भ्रष्टाचार को लेकर खुले मंच से अपनी सरकार को दिखाया था आईना

उनकी साफगोई के लिए भी याद रखना होगा। भ्रष्टाचार को लेकर उनकी स्वीकृति, जिसमें उन्होंने कहा था 100 पैसे केंद्र से भेजे जाते हैं तो 15 पैसे ही जनता तक पहुंचते हैं ,यह बोल पाना आज के नेताओं के बस की बात नहीं है। उनके द्वारा लिए गए बड़े निर्णय में वोट डालने की उम्र सीमा 21 से घटकर 18 वर्ष करना भी दूरगामी परिणाम वाला और तमाम विसंगतियों के बाद भी युवाओं को मुख्य धारा में होने का एहसास करने वाला

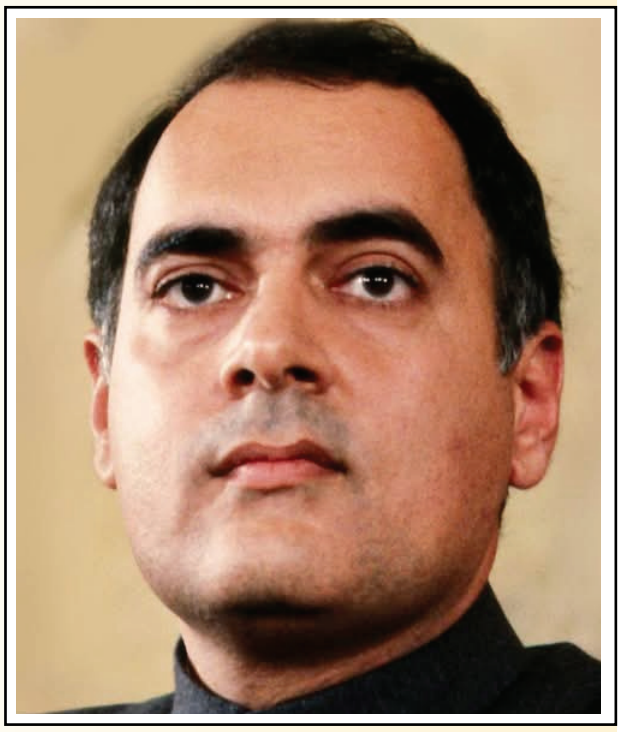

था। ग्रामीण अंचल में रह रहे मेधावी छात्रों को उच्च श्रेणी की मुफ्त शिक्षा देने के लिए देशभर में खोले गए जवाहर नवोदय विद्यालय उनकी दूर दृष्टि और सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति तक उनकी सोच का नायाब उदाहरण बने हुए हैं। राजीव गांधी अक्टूबर 1984 से 1989 तक ही देश के प्रधानमंत्री रहे। तमाम विपरीत परिस्थितियों के बीच 21वीं सदी के सशक्त भारत की महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए उन्होंने तमाम दूरगामी प्रभाव वाली योजनाओं की शुरुआत की। कंप्यूटर को गांव गांव तक पहुंचाने का मार्ग राजीव गांधी ने ही प्रशस्त किया। उच्च वर्ग तक सीमित दूर संचार के साधन टेलीफोन को हर मोहल्ले, हर गांव, हर गली तक पहुंचाने का मार्ग भी उन्हीं के समय में प्रशस्त हुआ। भले ही उनके कुछ निर्णय के आधार पर आलोचक उन्हें राजनीतिक रूप से अपरिपक्व कहें लेकिन उन्होंने राजनीतिक शुचिता बनाए रखने के लिए दल बदल विरोधी कानून बनाया जिसके चलते आया राम गया राम वाली राजनीति का मार्ग अवरुद्ध हुआ।

भड़ास की निर्भीक पत्रकारिता के 17 वर्ष पूर्ण, अयोध्या में पत्रकारों ने मनाया जश्न

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। बेबाक और निर्भीक पत्रकारिता की प्रतीक मानी जाने वाली मीडिया संस्था भड़ास के 17 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अयोध्या के सर्किट हाउस में पत्रकारों ने हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया। वरिष्ठ पत्रकार समीर शाही के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में पत्रकारों ने केक काटकर इस खास मौके को यादगार बनाया।

कार्यक्रम का मूल उद्देश्य स्वतंत्र और निडर पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना तथा पत्रकारों की आवाज को और अधिक बुलंद करना रहा। इस अवसर पर अयोध्या और आसपास के इलाकों से पत्रकारों और मीडिया संस्थानों से जुड़े कई प्रमुख चेहरे मौजूद रहे। वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश सिंह, करुणाकर दुबे, कुशल चन्द्र मिश्र, रूपेश श्रीवास्तव, राजेन्द्र दुबे, सुबोध श्रीवास्तव, आकाश कुमार, आकाश सोनी, ज्ञानेंद्र मिश्र, विकास पांडेय, गुलजार और प्रशांत शेखर सहित कई पत्रकारों ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

इस अवसर पर वक्ताओं ने भड़ास की पत्रकारिता को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की असली मिसाल बताते हुए कहा कि ऐसे मंचों की आज के समय में अत्यंत आवश्यकता है जो सत्ता से सवाल पूछने का साहस रखते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों ने मीडिया की मौजूदा चुनौतियों और अवसरों पर भी विचार साझा किए और इस बात पर जोर दिया कि निष्पक्षता, निडरता और जनहित पत्रकारिता ही समय की मांग है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक चर्चा और पत्रकारों के सम्मान के साथ हुआ।

चौबेपुर पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का किया खुलासा

गोगूमऊ गांव के हत्याकांड का पर्दाफाश

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । नगर के चौबेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव गोगूमऊ में मंगलवार की रात एक अज्ञात हमलावर ने 55 वर्षीय देवनारायण उर्फ दीवारी लाल कटियार की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक देवनारायण घर के बाहर सो रहा था जिसके चलते हत्यारा गोली मारकर आराम से खेतों के रास्ते भागने में सफल हो गया। गोली की आवाज सुन परिवार और बड़ी संख्या में गांववासी इकट्ठा हो गए। सूचना पर चौबेपुर थाना पुलिस एसीपी बिल्हौर, एडीसीपी पश्चिम और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा जांच कर साक्ष्य संकलन किया। पुलिस ने कुछ ही घंटे में हत्याकांड का खुलासा करते हुए पड़ोस में रहने वाले विशाल नाम के युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मृतक की फाइल फोटो

कैसे हुई हत्या

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोगूमऊ गांव में रहने वाले देवनारायण कटिहार ने शादी नहीं की थी। वह अपने भाई रामवीर के साथ गांव में रहकर खेती किसानी करते थे साथ ही घर पर ही परचून की दुकान भी खोल रखी थी?।

रोज की तरह ही मृतक रात में खाना खाने के बाद घर के बाहर सो गया। घर के बाकी लोग मकान में अंदर सो रहे थे। रात साढ़े ग्यारह बजे के आसपास गोली चलने की आवाज पर सभी चौंक गए। बाहर आकर देखा तो एक व्यक्ति खेतों की ओर भागा जा रहा था। चारपाई के पास आकर देखा तो देवनारायण मरणासन्न हालत में पड़ा था।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक को 315 बोर के तमंचे से गोली मारी गई थी। पारिवारिक जनों ने किसी भी तरह की रंजिश या किसी पर संदेह व्यक्त नहीं किया था। पुलिस ने हत्या का खुलासा करने के लिए जांच शुरू की ।

हत्यारे की किसी ने नहीं देखी थी शक्ल

क्योंकि मृतक घर के बाहर सो रहा था और मृतक का घर गांव में बिल्कुल किनारे पर था, यही कारण रहा कि हत्यारा देवनारायण को गोली मार कर आराम से खेतों के रास्ते भागने में सफल हो गया। गोली की आवाज सुनकर घर और आज पड़ोस के लोग जब बाहर आए तो पीछे से ही भागते हमलावर को देख पाए। किसी ने हमलावर की शक्ल नहीं देखी।

हत्यारे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मृतक देवनारायण के परिवार ने किसी भी तरह की रंजिश से इनकार किया था। पारिवारिक जनों ने किसी पर हत्या का संदेह भी व्यक्त नहीं किया था। पुलिस के लिए यह केस ब्लाइंड मर्डर की तरह था। पुलिस हर एंगल को खंगाल रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था हत्यारा मृतक का नजदीकी हो सकता है। डीसीपी वेस्ट दिनेश त्रिपाठी ने खुलासा किया है कि मृतक के पड़ोस में रहने वाले विशाल ने देवनारायण की गोली मारकर हत्या की थी। विशाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है । विशाल का देवनारायण से हल्का-फुल्का विवाद था और विशाल मृतक द्वारा बार-बार टोके जाने से नाराज था।

59 हजार से अधिक परिवारों को छत मिलने की जगी उम्मीद

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे हुआ पूरा कच्चे व आवास विहीन परिवारों को मिलेगा पक्का घर, सत्यापन के बाद बनेगी पात्रों की सूची

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया आवास प्लस 2024 सर्वे अब पूर्ण हो चुका है। इस सर्वे का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे कच्चे या बिना मकान वाले परिवारों की पहचान कर उन्हें सरकारी आवास योजना का लाभ देना था। 15 मई तक चले इस सर्वे को जनपद कानपुर देहात की 618 ग्राम पंचायतों में जिलाधिकारी आलोक सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 की अध्यक्षता में संपन्न कराया गया।

सरकार की ओर से सर्वे के लिए 284 फील्ड कर्मियों की तैनाती की गई थी, साथ ही लाभार्थियों को मोबाइल एप के जरिए स्वयं सर्वे करने का विकल्प भी दिया गया था।

जनपद में कुल 59,443 परिवारों का सर्वे हुआ, जिसमें 8,912 सर्वे स्वयं लाभार्थियों द्वारा और 50,531 सर्वे सरकारी सर्वेयरों द्वारा किए गए। इन

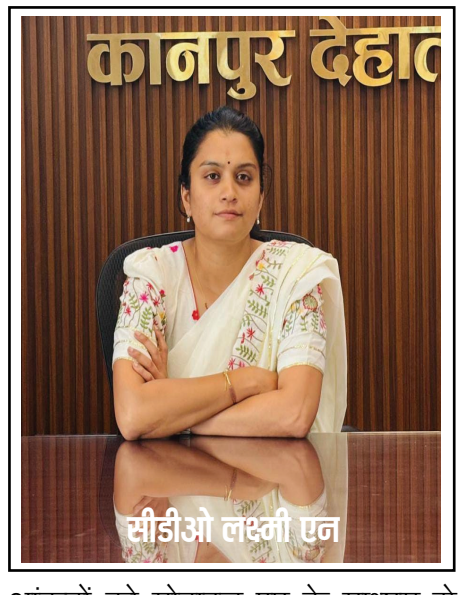

आंकड़ों को मोबाइल एप के माध्यम से भारत सरकार की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

सर्वे के बाद अब पात्रता की पुष्टि के लिए सत्यापन प्रक्रिया की जाएगी, जिसमें जिला स्तरीय अधिकारी 2प्रतिशत , अन्य विभाग 1० और बीडीओ स्तर पर 5प्रतिशत आवासों का भौतिक सत्यापन करेंगे। इसमें यह जांचा जाएगा कि जिन परिवारों का सर्वे हुआ है, वे पात्रता के मानकों पर खरे उतरते हैं या नहीं। सत्यापन उपरांत पात्र लाभार्थियों की सूची भारत सरकार को भेजी जाएगी, जिसके आधार पर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत कुल 1.20 लाख रुपये की राशि तीन किस्तों में दी जाएगी। इसके अतिरिक्त 12 हजार रुपये शौचालय निर्माण के लिए भी प्रदान किए जाएंगे।

इस योजना से कानपुर देहात के हजारों गरीब परिवारों को अपना पक्का घर मिलने की उम्मीद बंधी है, जिससे उनके जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार आने की संभावना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

प्रधान की दबंगई के चलते नहीं बन पा रही संतुभवन मोहल्ले की सड़क

» खड़ंजा कार्य में अड़ंगा डाल कर भाजपा बूथ अध्यक्ष से अभद्रता कर चुका प्रधान

» अधिकारियों के सामने खुलेआम सरकार को दे चुका चुनौती

» प्रशासनिक आदेशों की उड़ रही धज्जियाँ, प्रधान बोला योगी नहीं, मोदी तक चले जाओ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर क्षेत्र अंतर्गत संतु भवन मोहल्ले में इंटरलॉकिंग खड़ंजा निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेशों के बावजूद ग्राम प्रधान अब्दुल अनीस की अड़ियल रवैये के कारण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। शासन की ओर से कई बार आदेशित किए जाने के बाद जब उपायुक्त मनरेगा गजेंद्र तिवारी, खंड विकास अधिकारी अमरोधा, एडीओ बालवीर प्रजापति, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी

स्वराज इंडिया
Swaraj India
19 May 2025 - Page 9

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर देहात कानपुर,सोमवार 19 मई, 2025 09

चार-चार आदेशों के बाद भी संतुनगर मोहल्ले का नहीं बना रास्ता

» अफसरशाही ने विकास को लगा रखा है ब्रेक

उपमुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री तक की नहीं सुनी गई, पुखरायां के पास एक मोहल्ले में टूटी सड़क और जलभराव से परेशान जनता बेहाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के सन्तु भवन मोहल्ले में टूटा हुआ रास्ता महीनों से ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। जनवरी में शुरू हुई यह समस्या अब मई तक भी जस की तस बनी है। मोहल्ले के संतोष गुप्ता, रोशन कुमार, अनूप कुमार, और बबलू कुमार ने पहले जिलाधिकारी से और फिर लखनऊ जाकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से कई बार मुलाकात की। उपमुख्यमंत्री के निजी सचिव सुरेंद्र तिवारी ने चार बार लिखित आदेश जिलाधिकारी को भेजे, लेकिन इसके बावजूद बस्ती में खड़ंजा नहीं पड़ सका।

शनिवार को तहसील दिवस में जब मामला अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) दिग्विजय सिंह के सामने आया तो उन्होंने प्रभारी बीडीओ बालवीर प्रजापति को फटकार लगाते हुए तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए।

विकास के दावे खोखले, जनता की नहीं सुनता ब्लॉक मुख्यालय

मुख्यमंत्री तक गुहार के बाद भी नहीं हो रहा समाधान,

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी?

खंड विकास अधिकारी (मनरेगा) गजेंद्र तिवारी ने कहा है कि जल्द ही सर्वे कराकर रोड का निर्माण कराया जाएगा और ग्रामीणों की समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बरसात से पहले फिर खतरा मंडराया ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष बारिश के चलते बस्ती के हर घर में पानी भर गया था और दो माह तक घरों से पानी नहीं निकाला जा सका। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप पर इंजन लगाकर पानी निकाला गया, लेकिन इस वर्ष फिर वैसी ही स्थिति बनने की आशंका है। मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी एसकेएन सिंह चौहान द्वारा जिलाधिकारी और सीडीओ को पत्र भेजा गया था, लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। स्थानीय विधायक भले ही विकास की बात करें, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है। जब मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जिलाधिकारी की बात नहीं सुनी जा रही, तो आम जनता किससे उम्मीद करे?

इस तरह बदहाल पड़ा है मोहल्ले का रास्ता

कमलेश राणा सहित प्रशासनिक टीम निरीक्षण को पहुंची, तो ग्राम प्रधान ने अधिकारियों के सामने ही साफ तौर पर खड़ंजा कार्य कराने से मना कर दिया।स्थानीय लोगों संतोष गुप्ता, रोशन, कुलदीप और पवन मिश्रा ने टूटी सड़क की दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित कराया, लेकिन ग्राम प्रधान का व्यवहार और भाषा दोनों ही अमर्यादित हो गई।

भाजपा बूथ अध्यक्ष पवन मिश्रा के साथ की गई अभद्रता पर जब मोहल्ले के लोगों ने आपत्ति जताई, तो ग्राम प्रधान ने सभी को हड़काया और कह दिया कि हमें हिंदुओं से नफरत है, इस मोहल्ले में खड़ंजा नहीं डालने देंगे।

हमारे नेता सपा सांसद अहिरवार हैं, उन्हीं के कहने पर काम होगा। अफसरों के सामने ही प्रधान ने सरकार को कोसते हुए कहा कि योगी नहीं, मोदी तक चले जाओ, लेकिन मौके पर मौजूद किसी अधिकारी ने विरोध नहीं जताया।

मौके पर पहुंच जांच करने पहुंचे विकास विभाग के अधिकारी कर्मी

जाति और राजनीतिक संरक्षण के आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश

इस पूरे मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि मोहल्ले में विकास कार्य न होने के पीछे साफ तौर पर जातीय भेदभाव और राजनीतिक संरक्षण की भूमिका है। खड़ंजा कार्य की योजना बन चुकी है, जेई द्वारा एस्टीमेट तैयार कर दिया गया है, यहां तक कि शासन ने बजट भी ग्राम प्रधान के खाते में स्थानांतरित कर दिया है, फिर भी ग्राम प्रधान अपनी मनमानी पर अड़ा है।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी कमलेश राणा ने स्पष्ट किया कि प्रस्ताव कार्य योजना में शामिल है, लेकिन प्रधान के कारण काम शुरू नहीं हो पा रहा।

अब यह सवाल जिला प्रशासन पर खड़ा हो रहा है कि क्या एक ग्राम प्रधान मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जिलाधिकारी तक की अवहेलना कर सकता है? क्या शासन-प्रशासन प्रधान की दबंगई के आगे बेबस है? ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और प्रधान के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाए, ताकि विकास कार्यों में बाधा नहीं हो।

पत्नी की हत्या करने के दोषी पति को आजीवन कारावास

अदालत ने दोषी पर दस हजार रुपये का लगाया अर्थदंड

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली क्षेत्र के प्रतापपुर खास गांव में करीब चार साल पहले अतरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर पत्नी की हत्या करने के मामले की सुनवाई पूरी होने पर जिला जज ने आरोपी पति को दोषसिद्ध करते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उसपर दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

प्रभारी डीजीसी विजय सिंह व एडीजीसी संतोष कटियार ने बताया कि शिवली कोतवाली क्षेत्र के गांव लुधौरा निवासी रंजीत कमल ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

इसमें बताया था कि उसने अपनी पुत्री अंजनी उर्फ पूजा की शादी हिंदू रीति रिवाज अनुसार करीब पांच साल पहले क्षेत्र के गांव

प्रतापपुर खास निवासी अमित के साथ अपनी यथा सामर्थ्य दान दहेज देकर की थी, लेकिन अमित व उसके घरवाले दान दहेज से संतुष्ट नहीं थे और उसकी पुत्री से लगातार अतरिक्त दहेज की मांग कर उसे प्रताड़ित करते थे।

इसकी जानकारी पुत्री ने अपनी मां को दी। इसपर उसने कई बार अमित और उसके घरवालों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह लोग नहीं माने। 19 दिसंबर 2021 को उसकी पुत्री ने अमित द्वारा उसके साथ मारपीट करने की सूचना दी।

जब वह पुत्री की ससुराल पहुंचा तो अमित कुल्हाड़ी से उसकी पुत्री की गर्दन पर वार कर रहा था। उसने ललकारा तो अमित भाग निकला। उसकी पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने मामले की विवेचना करते हुए अमित को गिरफ्तार कर जेल भेजने के साथ ही उसके खिलाफ आरोप पत्र अदालत में पेश किए थे। मामले की सुनवाई जिला जज जयप्रकाश तिवारी की अदालत में चल रही थी। बुधवार को अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी पति को दोषसिद्ध करते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उसपर दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

सोशल मीडिया में पाकिस्तान का समर्थन किया, एफआईआर दर्ज

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बाद भी सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का समर्थन करने का पोस्ट डालने वाले युवक के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।कोतवाली बदोसराय के मैला रायगंज के अनस सिद्दीकी ने सोशल मीडिया की एक पोस्ट पर लिखा है कि हम भी पाकिस्तान के साथ हैं। इस पोस्ट के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कोतवाली बदोसराय की पुलिस सक्रिय होते हुए युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी के बारे में मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही है।

भिलवल उप केंद्र में बार बार पावर कट गंभीर समस्या

ट्रांसफार्मर का ऊंची करण होने के बाद भी नहीं शुरू हुई सप्लाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। त्रिवेदीगंज क्षेत्र स्थित भिलवल उप केंद्र में बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या सामने आई है। गर्मी के मौसम में बढ़ती मांग के बावजूद 33/11 केवी ट्रांसफॉर्मर की सीमित क्षमता के कारण लगातार बिजली कटौती की जा रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे कई बार पावर हाउस पर लोड बढ़ाने की मांग कर चुके हैं। पावर हाउस के कर्मचारियों के अनुसार, मौजूदा मशीन अधिक लोड नहीं सह पाती है। जब लोड बढ़ता है, तो बिजली काटनी पड़ती है।

बीडीसी काली दीन, अमित कुमार, शिवकुमार, अनुज कुमार, राकेश कुमार, नज उन निशा और सतीश यादव ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया है। मुख्य अभियंता पीके गौतम ने इस संबंध में बताया कि उन्हें शिकायत मिली है और लोड बढ़ाने की प्रक्रिया चल रही है।

शैक्षिक नवाचार की गतिविधियां सीख रहे बच्चे

उच्च प्राथमिक विद्यालयों और कंपोजिट विद्यालयों में प्रातः07 बजे से 10:00 बजे तक चल रहे कार्यक्रम

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदुरा (बाराबंकी)। विकास खंड निंदूरा में शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में बेसिक शिक्षा विभाग, बाराबंकी के ब्लॉक निंदूरा में खण्ड शिक्षा अधिकारी सुषमा सेंगर के नेतृत्व में बच्चों को शैक्षिक नवाचार की गतिविधियों के रूप में समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों और कंपोजिट विद्यालयों में प्रात:07 बजे से 10:00 बजे तक अनुदेशकों व शिक्षा मित्रों द्वारा समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बच्चों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराई जा रही हैं। उक्त क्रम में विकास खंड निन्दूरा के समस्त 63 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षामित्र और अनुदेशकों द्वारा समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें स्वयंसेवी संस्थाओं के वॉलिंटियर्स और अध्यापकों द्वारा स्वेच्छा से प्रतिभाग किया गया। ज्ञात हो कि बेसिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश पहली बार ऐसी गतिविधियों का आयोजन कर रहा है, ताकि बच्चों की शिक्षा को उनके खुले मन – मस्तिष्क के साथ जोड़ा जा सके। आयोजन को समूचे जनपद के बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अनुदेशकों और शिक्षामित्रों को खंड शिक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण में संपन्न कराया जाना है।

सीएमओ कार्यालय से चल रहा फर्जी सीलिंग का नायाब खेल

» 48 घंटे में सील नहीं रह सका अस्पताल

» जांच पूरी नही हुई आरोपी चिल्ड्रेन हास्पिटल को सीएमओ ने दे दिया अभयदान

» अपने ही आदेश से पलट गए सीएमओ

» सीएमओ के निर्देश पर लग रहा सवालिया निशान

» न्यायालय जाने की तैयारी में पीड़ित परिवार

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। जिले के स्वास्थ्य विभाग में अस्पतालों की जांचों के नाम पर गोरखधंधा चल रहा है। पहले अस्पतालों की जांच के नाम पर अस्पतालों के खिलाफ सील करने का नाटक किया जाता है, जांच लगाई जाती है और फिर बिना जांच पूरी हुए ही

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com अपना प्रदेश कानपुर सोमवार 19 मई, 2025 11

शिशु की मौत मामले में चिल्ड्रेन हॉस्पिटल सील

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। स्वराज इडिया की खबर के बाद आखिरकार स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। साकेतपुरी स्थित अयोध्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल एंड हार्ट केयर सेंटर में नवजात की मौत के मामले में रविवार को बड़ी कार्रवाई हुई। सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बनियान के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल को सील कर दिया है।

12 मई को सहादतगंज निवासी गौरव मिश्रा के नवजात की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई थी।

परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज के नाम पर दो लाख रुपये लेने और मृत बच्चे को लखनऊ रेफर करने का आरोप लगाया था।

मामले को स्वराज इंडिया ने प्रमुखता से उठाया था, जिसके बाद सीएमओ ने खुद

स्वराज इंडिया की खबर का असर

अस्पताल सील करते स्वास्थ्य अधिकारी

मामले में जांच के आदेश दिए थे और अस्पताल प्रबंधक डॉ. अंकुश शुक्ल को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। रविवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. राम मणि शुक्ल और जिला क्षयरोग अधिकारी के नेतृत्व में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर सीलिंग की कार्रवाई की। हालांकि, मरीजों की सुविधा के मद्देनज़र कुछ वार्डो और

डॉक्टर की लापरवाही से मासूम की मौत, अब किससे पूछें सवाल?

» स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई से हड़कंप

आईसीयू को अस्थाई रूप से चालू रखा गया है।अब स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से निजी अस्पतालों में मची हड़कंप की स्थिति है। यह साफ है कि स्वराज इंडिया की पत्रकारिता का असर ज़मीनी स्तर पर दिखने लगा है।

आरोपी डॉक्टर

सील की कार्रवाई को हटा लिया जाता है। सीएमओ की अपने ही आदेश को बार बार बदलने की पैतरेबाजी सवालों के घेरे में आ गई है। लोग सीएमओ डा. सुशील कुमार बनियान की कार्यशैली पर अब सवाल खड़े कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फर्जी नर्सिंग होम, झोलाछाप डाक्टरों, अपंजीकृत पैथालाजी व मेडिकल की दुकानों को चिन्हित कर उनके खिलाफ अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश का फायदा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जम कर उठा रहे हैं।

इसका उदाहरण बना है साकेतपुरी स्थित चिल्ड्रेन हास्पिटल जहां 12 मई को एक नवजात शिशु की मौत हो गई। परिजनों ने नवजात की मौत को लेकर अस्पताल व चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की। यह भी आरोप लगाया गया कि चिकित्सक ने दो घंटा पूर्व मर चुके नवजात को लखनऊ ले जाने का सुझाव दिया।

परिजनों की मांग के बाद सीएमओ डा. सुशील कुमार ने चिल्ड्रेन हास्पिटल को आंशिक रूप से बन्द करने का निर्देश दिया था। निर्देश में यह भी कहा गया था कि जब तक जांच चलेगी तब तक अस्पताल का कुछ भाग सील रहेगा। इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने ही निर्देश पर 48 घंटा कायम नहीं रह सके। उन्होंने जांच पूरी होने के पूर्व ही चिल्ड्रेन्स हास्पिटल में जहाँ वार्ड लाख था उसे अनलाक करने का निर्देश दे दिया। सीएमओ की इस नीति को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं।

जांच पूरी होने के पहले ही कैसे अपने ही निर्देश से पलट गए सीएमओ

वामदल के नेता सत्यभान सिंह ने कहा कि मंगलवार को पीड़िता अराधना मिश्रा व डा केएन कौशल का बयान होना था। इससे पहले सोमवार को ही सीएमओ ने किस आधार पर चिल्ड्रेन हास्पिटल को क्लीनिक चिट दे दी। उन्होंने कहा कि दाल में काला लग रहा है। सीएमओ अपनी ही बात से पलट रहे हैं, मतलब साफ है। सीएमओ अस्पताल के संचालक व डाक्टर को बचा रहे हैं। सत्यभान सिंह ने कहा कि सीएमओ की मनमानी को देखकर ऐसा लग रहा है पीड़ित को न्याय नहीं मिलेगा। हमें न्यायालय का दरवाजा खटखटाना होगा।

ज्योति मल्होत्रा ने अयोध्या के फोटो और वीडियो खींचे थे

» अयोध्या की सुरक्षा में सेंध को लेकर आईएसआई साजिश के बाद सतर्क हुई एजेंसियां

» अयोध्या के सुरक्षा के लिए खतरा बन सैकड़ों यूट्यूबर?

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। हाल ही में भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े 12 संदिग्ध जासूसों को गिरफ्तार कर एक बड़ी साजिश को नाकाम किया है। लेकिन इसी बीच अयोध्या से सामने आया एक और मामला देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी बनकर उभरा है। यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा ने राम मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी वीडियो और तस्वीरें रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दीं इस हरकत ने सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। जिस स्थान की सुरक्षा पर करोड़ों लोगों की आस्था और देश की प्रतिष्ठा टिकी हो, वहां बिना अनुमति के वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करना केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि एक संभावित खतरे को न्योता देना है।

स्थानीय प्रशासन और खुफिया एजेंसियों के लिए यह चिंता का विषय बन गया है कि अयोध्या जैसे अति संवेदनशील क्षेत्र में यूट्यूबर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स बिना किसी वैध पहचान और पंजीकरण के कैसे घूम रहे हैं।

स्वराज इंडिया का सवाल

-क्या सुरक्षा व्यवस्था में कोई ढील है?

-क्या इन यूट्यूबर्स की कोई पृष्ठभूमि जांच होती है?

नागरिकों और सुरक्षा विशेषज्ञों ने मांग की है कि अयोध्या जैसे क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की वीडियोग्राफी या रिपोर्टिंग से पहले स्पष्ट अनुमति और पंजीकरण अनिवार्य किया जाए। साथ ही, ऐसे मामलों की गहराई से जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ न हो सके।

जब सीमा पार से खतरे मंडरा रहे हों, तब भीतर से लापरवाही और मनमानी एक बड़ा जोखिम बन जाती है। अयोध्या की पवित्रता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए अब महज़ आस्था नहीं, कड़े नियमों और सतर्क निगरानी की भी जरूरत है। बता दे कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से मंगलवार को बेहद चौकाने वाला खुलासा सामने आया है। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार

की गई हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को लेकर खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ा इनपुट साझा किया है। जानकारी के मुताबिक, ज्योति मल्होत्रा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अगले ही दिन 23 जनवरी 2024 को अयोध्या पहुंची थी और उसने हनुमानगढ़ी, कनक भवन, सरयू तट, नया घाट समेत प्रमुख धार्मिक स्थलों की रेकी करते हुए वीडियो बनाए।

राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए खतरे की घंटी

इस घटना ने एक बार फिर यह चेताया है कि सोशल मीडिया के युग में दुश्मन देश किस तरह धार्मिक भावनाओं और यात्रा की आड़ में देश की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अयोध्या जैसे संवेदनशील और धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण शहर में इस तरह की साजिश, सुरक्षा एजेंसियों को और सतर्कता बरतने का संकेत दे रही है।

ढाई साल की बेटी से मिटवाई प्रेमी की हवस

हत्याकर बोली-दौरे से मौत, बच्ची के प्राइवेट पार्ट की चोट ने खोला राज

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

मुंबई। एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक महिला और उसके 19 साल के प्रेमी को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि महिला ने अपने प्रेमी को अपनी दो साल की बेटी के साथ यौन उत्पीड़न करने दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने बच्ची की जान भी ले ली। पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया है। मुंबई पुलिस को जांच में पता चला कि 30 साल की मां अपनी पहली शादी से हुई बेटी की देखभाल नहीं करना चाहती थी। उसका दो साल पहले अपने पति से तलाक हो गया था। यह घटना मलाड के मालवणी इलाके में एक झोपड़ी में हुई।

बच्ची को खुद ले गए अस्पताल : यह मामला तब सामने आया जब दोनों आरोपी बच्ची को रविवार देर रात मालवणी के एक अस्पताल में लेकर गए। पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया, अस्पताल में आरोपियों ने डॉक्टर को बताया कि बच्ची को मिर्गी का दौरा पड़ने के बाद वह बेहोश हो गई। लेकिन, डॉक्टर को शक हुआ। जांच करने पर पता चला कि बच्ची की मौत दम घुटने से हुई है। डॉक्टर ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

गर्भवती थी, तभी पति ने छोड़ दिया था : अधिकारियों ने बताया कि महिला और 19 साल का लड़का रिलेशनशिप में थे। महिला की पहली शादी दो साल पहले टूट गई थी। उसके पति ने गर्भावस्था के दौरान उसे छोड़ दिया था। बच्चे को जन्म देने के बाद, वह अपनी मां के घर में रहने लगी। वहीं पर उसका आरोपी के साथ संबंध शुरू हुआ।

बच्ची को साथ नहीं रखना चाहती थी

पुलिस ने बताया कि जब बच्ची की नानी घर पर नहीं थी, तब लड़के ने अपराध किया। बच्ची की मां भी उस समय वहीं थी। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'बच्ची की मां ने कबूल किया कि पहले वह अपने प्रेमी को अपनी बेटी के साथ यौन उत्पीड़न करने देने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन, जब उसने बार-बार जोर दिया, तो वह मान गई। उसने यह भी कबूल किया कि वह बच्ची की देखभाल नहीं करना चाहती थी। उसकी देखभाल उसकी बूढ़ी मां करती थी, जो घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती है और महीने में 3000 रुपये कमाती है।'

बच्ची के प्राइवेट पार्ट की चोट ने खोली पोल

पुलिस ने कहा कि दोनों ने अपराध को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि बच्ची को मिर्गी का दौरा पड़ा था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि लेकिन, डॉक्टर ने देखा कि बच्ची की मौत दम घुटने से हुई है। इसके अलावा, उसने बच्ची के प्राइवेट पार्ट पर ताजे चोट के निशान भी देखे, जो यौन उत्पीड़न के कारण हुए थे। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। इनमें बलात्कार, मौत का कारण बनना, सबूतों से छेड़छाड़, हत्या और सामान्य इरादा शामिल हैं। इसके अलावा, पॉक्सो एक्ट के तहत भी आरोप लगाए गए हैं।

सगे भाइयों का कत्ल, तीन थानों की फोर्स, पीएसी तैनात

एसडीएम के पैरों में गिरी तिलक की पत्नी

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

मथुरा। मथुरा में सगे भाइयों की हत्या को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। तीन थानों की फोर्स के साथ पीएसी के जवान भी गांव में तैनात किए गए हैं। आक्रोश और गमगीन माहौल में एक साथ भाइयों की चिता जली।

मथुरा के फरह थाना क्षेत्र के पीलुआ सादिकपुर के नगला बंजारा में रविवार की रात दो सगे भाइयों को लाठी डंडों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया। मंगलवार को 36 घंटे बाद एक साथ दोनों भाइयों की चिताएं जलीं। सगे भाइयों की हत्या को लेकर ग्रामीणों में आकोश है। इसके चलते गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है। तीन थानों की फोर्स के साथ पीएसी के जवान भी गांव में तैनात किए गए हैं।

गोवर्धन की बड़ी परिक्रमा निवासी बच्चन सिंह के पुत्र तिलक सिंह (35) और विनोद (33) रविवार की रात को अपने फरह थाना क्षेत्र के पीलुआ सादिकपुर के नगला बंजारा स्थित अपने पैतृक गांव आए थे। आरोप है कि यहां बिजली लगवाने को लेकर उनका ग्राम प्रधान ताराचंद से फोन पर विवाद हो गया। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने दोनों को जान से मारने की धमकी दी तो दोनों भाई रविवार की रात को ही बाइक से गोवर्धन के लिए रवाना हो गए, लेकिन रास्ते में ग्राम प्रधान और उनके साथियों ने दोनों भाइयों को घेर लिया और इतनी बेरहमी से पीटा कि एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

पहले तो पुलिस दोनों युवकों की मौत दुर्घटना में मान रही थी, लेकिन पिता की तहरीर पर ग्राम प्रधान समेत उसके आधा दर्जन साथियों को हत्या में नामजद किया। मंगलवार की सुबह मृतकों के घर पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। अधिकारियों चार दिन में हत्यारोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

ऑटो चालक कर रहा था छेड़छाड़, बचने को ई-रिक्शा से कूद गई

लखनऊ, स्वराज न्यूज ब्यूरो। लखनऊ में शराब के नशे में चालक ने ई-रिक्शे पर बैठी युवती के साथ अश्लील हरकत करते हुए उसका मुंह दबा दिया। आरोपी से बचने के लिए युवती चलते ई-रिक्शे से कूद गई। जिसके चलते उसे काफी चोटें भी आई हैं। पीड़िता के मुताबिक आरोपी ई-रिक्शा चालक ने उसकी पिटाई भी की है। गुडम्बा पुलिस ने आरोपों के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आजमगढ़ निवासी युवती मौजूदा समय में अपने मामा के घर आई हुई है। पीडिता ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार को बर्लिंगटन चौराहे से टेढ़ी पुलिया ई-रिक्शे से किसी काम से जा रही थी। रास्ते में टेढ़ी पुलिया पहुंचने पर पीड़िता ने चालक से ई-रिक्शा रोकने के लिए कहा पर, चालक ने ई-रिक्शा नहीं रोका। जनता अस्पताल के पास सुनसान देख आरोपी ने अश्लील हरकत की। चालक की नियत खराब देख पीड़िता ने चलते ई-रिक्शा से छलांग लगा दी। चलते ई-रिक्शा से कूदने के चलते पीड़िता के सिर, पैर व शरीर के अन्य हिस्सों में काफी चोटें आईं हैं। पीड़िता के मुताबिक चोट लगने के कारण वह मौके से भाग नहीं सकी। चालक ने उसे पकड़ लिया। उसकी पिटाई कर दी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि ई-रिक्शा चालक नशे में था। पीड़िता की तहरीर पर गुडम्बा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

23 साल की उम्र में कर चुकी 25 शादी

भोपाल में पकड़ी गई कई राज्यों की मोस्ट वांटेड लुटेरी दुल्हन

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

भोपाल से पकड़ी गई मोस्ट वांटेड लुटेरी दुल्हन अनुराधा पासवान, साथ में पुलिस टीम।

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल में राजस्थान पुलिस ने लुटेरी दुल्हन अनुराधा पासवान को पकड़ा, जो 25 मासूम दूल्हों को फर्जी शादी कर ठग चुकी है। नकदी-जेवर लूटकर फरार होने वाली अनुराधा को सवाई माधोपुर पुलिस ने नकली दूल्हा बनाकर जाल में फंसाया। 7 महीनों में अनुराधा ने 25 शादियां की थी। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में राजस्थान के सवाई माधोपुर की मानटाउन थाना पुलिस ने एक सनसनीखेज कार्रवाई करते हुए कुख्यात 'लुटेरी दुल्हन' अनुराधा पासवान को गिरफ्तार किया है। 23 वर्षीय अनुराधा, जो उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के कोल्हुई बाजार की रहने वाली है, पर आरोप है कि उसने 7 महीनों में 25 मासूम पुरुषों से फर्जी शादियां रचाकर लाखों रुपये की ठगी की। वह हर बार नया नाम, नई पहचान और नया शहर चुनती थी और शादी के कुछ दिनों बाद नकदी, जेवर और कीमती सामान लेकर फरार हो जाती थी।

क्या है पूरा मामला : अनुराधा पासवान ने अपनी शातिर योजना के तहत एक संगठित गिरोह के साथ मिलकर फर्जी शादियों का जाल बिछाया था। वह खुद को गरीब, असहाय और बेसहारा लड़की के रूप में पेश करती थी, जिसका भाई बेरोजगार है। शादी के इच्छुक पुरुषों को फंसाने के लिए वह दलालों, जैसे पप्पू मीना और सुनीता यादव, के जरिए संपर्क करती थी। ये दलाल 2 से 5 लाख रुपये में सौदा तय करते और फर्जी दस्तावेजों के साथ शादी करवाते थे। एक ऐसा ही मामला सवाई माधोपुर के विष्णु शर्मा के साथ हुआ, जिन्होंने 20 अप्रैल 2025 को अनुराधा से शादी की। शादी के 12 दिन बाद, 2 मई को, अनुराधा ने विष्णु और उनके परिवार को खाने में नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया और 1.25 लाख रुपये के जेवर, 30,000 नकद और 30,000 रुपये का मोबाइल लेकर फरार हो गई थी। विष्णु की शिकायत पर मानटाउन थाने में 3 मई 2025 को मामला दर्ज किया गया। थानाधिकारी सुनील कुमार गुप्ता के नेतृत्व में एएसीआई मीठालाल यादव की टीम ने अनुराधा की तलाश शुरू की। सूचना मिली कि वह भोपाल के काला पीपल पन्ना खेड़ी में गब्बर नाम के व्यक्ति से शादी कर उसके साथ रह रही थी। पुलिस ने एक कॉन्स्टेबल को नकली दूल्हा बनाकर दलालों से संपर्क किया। दलाल ने अनुराधा की तस्वीर दिखाई, जिसे विष्णु के मामले से मिलान कर पुलिस ने उसे भोपाल में गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि अनुराधा ने 7 महीनों में औसतन हर 8वें दिन शादी रचाई और ठगी की।

गिरोह का खुलासा और जांच

पुलिस ने पाया कि अनुराधा एक बड़े फर्जी शादी गिरोह की सक्रिय सदस्य थी। वह भोपाल में रोशन, सुनीता, रघुवीर, गोलू और मजबूत सिंह यादव जैसे एजेंटों के साथ काम करती थी। ये लोग शादी के इच्छुक पुरुषों को फोटो दिखा 2-5 लाख रुपये वसूलते थे। गिरोह की मुख्य साजिशकताओं में से एक थी। पुलिस अब अन्य सहयोगियों की तलाश में छापेमारी कर रही है, और पीड़ितों से संपर्क कर रही है।

सामाजिक और कानूनी पहलू

यह मामला समाज में शादी जैसे पवित्र बंधन के दुरुपयोग को उजागर करता है। अनुराधा ने अपने शिकार के रूप में उन पुरुषों को चुना, जो सामाजिक दबाव या उम्र के कारण शादी के लिए बेताब थे। विष्णु जैसे लोग, जो ठेला चलाकर गुजारा करते हैं, ने कर्ज लेकर शादी की, लेकिन उन्हें धोखा मिला। पुलिस ने चोरी गए जेवर और नकदी की बरामदगी शुरू कर दी है।